

ज मरान भस्मीनी देशों को भयावह बीषण 'मोट' के नाम से जाना जाता है।
 लोचिनाम के साल सिगोपोल II ने 1876 ई. में
 भाषोवन किया मोट मंत्रालय संस्था की स्थापना की
 में यूरोपीय देशों के मध्य भाषली विवादों का शांतिपूर्ण
 सार है।

- जर्मनी ने जाँगी की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए
 मोट की मदद नवंबर 1894 ई. से जनवरी 1895 ई. तक चला। इसके
 धारा में सभी यूरोपीय राज्यों ने आपा-मोट नॉन-फायिडन की (स्थापना) हुई।
 के सुचारु सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की (स्थापना) हुई।
- जर्मनी सम्मेलन में भस्मी के शोषण व भोषित विकास को धोष का
 अनाया गया था, जर्मिन यूरोपीय राज्यों ने भस्मी को भाषा में जाँगी
 ननाव के जाँगी भस्मी जाँगी हुए लेनीन जाँगी जाँगी लकाहा नहीं हुई।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भस्मीनी मंत्रालयों का
 फ्रॉल => अल्जीरिया, मोल्को, एथियोपिया, भाइवरी नाल भादि
 इक्वेटोर => मिस्र, जर्मनी, दक्षिण भस्मीनी, रोडोशिया के मा, नाइजीरिया
 जर्मनी => ~~वेमर~~, ~~होमर~~, पुनापु, गोलु नाल
 पुनापु => अंगोला, जूवी मोजाविक